VALUES ARE NEEDED FOR CHILDREN OR PARENTS???

ज्यादा जिम्मेदार कौन ???

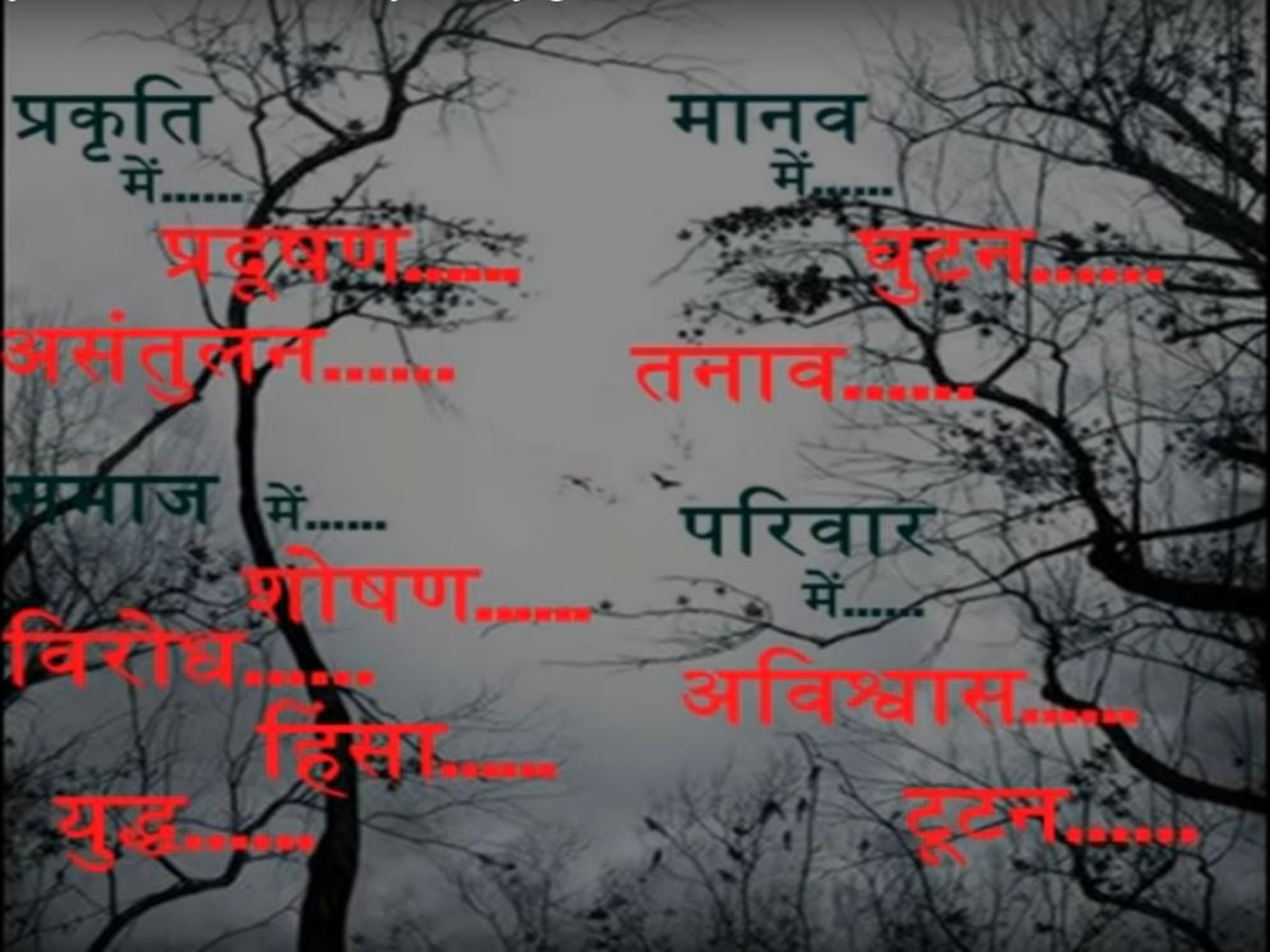
प्रकृति में.....
प्रदूषण.....
असंतुलन.....
मानव में.....
घुटन.....
तनाव.....
समाज में.....
शोषण.....
विरोध.....
हिंसा.....
युद्ध.....
परिवार में.....
अविश्वास.....
टूटन.....

वर्तमान में विज्ञान ने भौतिक तरक्की इतनी कर ली है की मानव के अस्तित्व के लिए ही खतरा पैदा हो गया है और हम सभी इसके साक्षी है।

एक सूक्ष्म से परजीवी ने आपको घुटनो पर ला दिया ? न एटम बम काम आ रहे न पेट्रो रिफाइनारी ? आपका सारा विकास एक छोटे से जीवाणु से सामना नहीं कर पा रहा ?? क्या हुआ , निकल गयी हेकड़ी ? बस इतना ही कमाया था इतने वर्षों में ? की एक छोटे से जीव ने घरो में कैद कर दिया ? मध्य युग में पूरे यूरोप पे राज करने वाला रोम (इटली) नष्ट होने के कगार पे आ गया , मध्य पूर्व को अपने कदमो से रोदने वाला ओस्मानिया साम्राज्य (ईरान , टर्की) अब घुटनो पर हैं , जिनके साम्राज्य का सूर्य कभी अस्त नहीं होता था , उस ब्रिटिश साम्राज्य के वारिश बर्मिंघम पैलेस में कैद हैं , जो स्वयं को आधुनिक युग की सबसे बड़ी शक्ति समझते थे , उस रूस के बॉर्डर सील हैं , जिनके एक इशारे पर दुनिया क नक़्शे बदल जाते हैं , जो पूरी दुनिया के अघोषित चौधरी हैं , उस अमेरिका में लॉक डाउन हैं और जो आने वाले समय में सबको निगल जाना चाहते थे , वो चीन , आज मुँह छिपता फिर रहा है और सबकी गालिया खा रहा है।और ये सब आशा भरी नज़रो से देख रहे हैं हमारे ६८ वर्ष के नायक की तरफ , उस भारत की ओर जिसका सदियों अपमान करते रहे , रोंदते रहे , लूटते रहे ।और ये सब किया हैं एक इतने छोटे से जीव जो ने दिखाई भी नहीं देता, मतलब ये की एक मामूली से जीव ने आपको आपकी औकात बता दी। वैसे बता दूँ , ये कोरोना अंत नहीं, आरम्भ है , एक नए युद्ध का , एक ऐसा युद्ध जिसमे आपके हरने की सम्भावना पूरी है ।जैसे जैसे ग्लोवल वार्मिंग बढ़ेगी , ग्लेशियरो की बर्फ पिघलेगी , और आज़ाद होंगे लाखो वर्षो से बर्फ की चादर में कैद दानवीय विषाणु , जिनका न आपको परिचय है और न लड़ने की कोई तयारी , ये कोरोना तो झांकी है , चेतावनी है , उस आने वाली विपदा की , जिसे आपने जन्म दिया है।मेनचेस्टर की औध्योगिक क्रांति और हारवर्ड की इकोनॉमिक्स संसार को अंत के मुहाने पे ले आयी ।।।बधाई ।और जानते हैं, इस आपदा से लड़ने का तरीका कहाँ छुपा है ??

CORONA OR QUESTION ???

क्या ये सारा विकास सिर्फ इसी लिए था ?

आज के हम शिक्षित व्यक्तियों ने प्रकृति में ही नहीं परिवार, संबंधों, यहाँ तक स्वयं में भी वार्मिंग कर रखी है ?

आखिर मानव तैयार करने में गलती कहाँ हो रही है ?

क्या समाज में माता पिता बनने से पहले हमारे पास कोई पूर्व तैयारी होती है कि बच्चे कैसे सीखते है और क्या सीखना/समझाना है ? क्या हमने इसके बारे में कभी सोचा है ?

प्रत्येक बच्चा जन्म से ही सही का धारक वाहक होता है फिर ऐसा क्या होता है की हमारे लिए अपना अस्तित्व बचाना ही खतरे में आ गया है?

EVERY CHILD IS

1. Unique & Pure
2. Purposeful consciousness
3. Unadulterated potential and probability
4. Evidence of present
5. Future of tomorrow
6. Care taker of you

EDUCATION is combination of VALUES and SKILLS.

SKILLS will be replaced by AI, ML, ROBOTS etc soon.

BUT VALUES can not be REPLACED by anything.

ये जिम्मेदारी माता-पिता व विद्यालयों की है की बच्चों में मूल्यों का समावेश अपने आचरण व कार्य के प्रमाण से दे।

CHANKYA TRANSFORM A TRIBAL CHILD IN WORLD FAMOUS RULER CHANDRAGUPTA and GURU VASHISHT PRODUCE SHREE RAM AND BHARAT – TWO DIFFERENT PERSONALIIES.

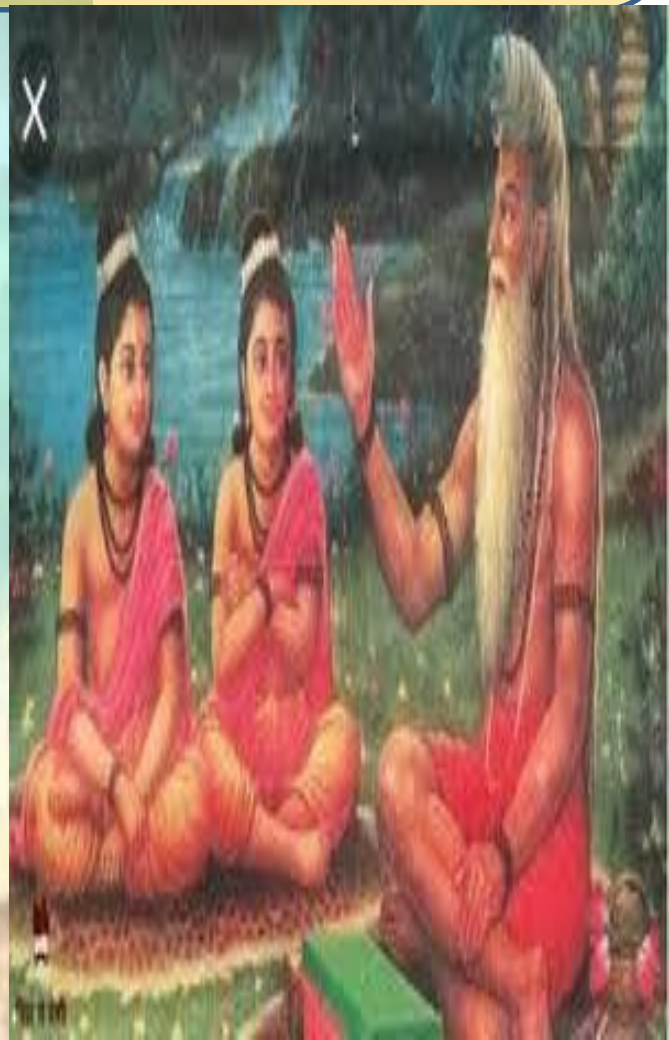

वो माता जीजा बाई ही थी जिसने एक बालक को छत्रपति शिवाजी बना दिया जिसने अखंड भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा कर इतिहास में अपना नाम अमर कर दिया।

ये बाज़ की परवरिश ही है जो उसे सभी पक्षियों में सबसे बेहतर गुणों वाला बनाता है।

संस्कार एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी को उत्तराधिकार में मिलते है। इसलिए बच्चों से पहले माता-पिता व परिवार को स्वयं संस्कारित होना पड़ेगा क्योंकि बच्चे अपने बड़ो के व्यवहार व कार्य की नक़ल/सीखते है।

जो है, वही था और जो था, वही है, केवल हमारे ध्यान में नहीं था।

जब **देश** बचेगा तभी मेरा राज्य, मेरा गांव, मेरा परिवार और मैं बचूंगा। देश संस्कारो से बचेगा न की सिर्फ हथियारों और सिर्फ नियमों से।

और इसके लिए माता-पिता और स्कूलों को अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभानी पड़ेगी।

WE NOT ONLY PRODUCE
PERSON BUT PERSONALITY
ALSO.

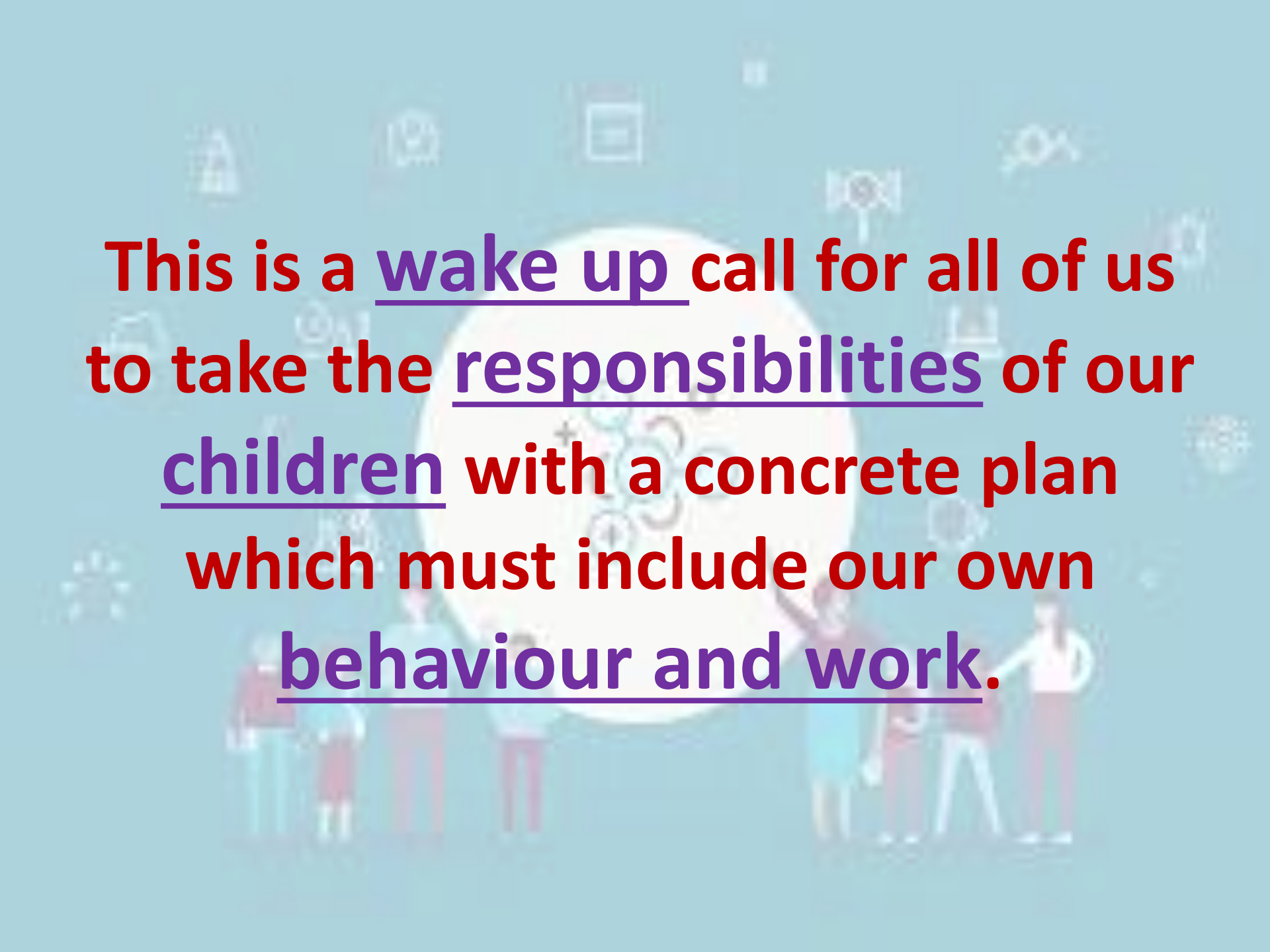

This is a wake up call for all of us to take the responsibilities of our children with a concrete plan which must include our own behaviour and work.